माता लाल देवी जी आरती

आरती लाल मैया जी की

आरती लाल मैया जी तेरी गाऊं ,
निशिदिन प्रेम की ज्योत जगाकर ,मुख से जय जयकार बुलाऊं।।
छिन्नमस्तिका अवतार तुम्हारा ,चिंतपूर्णी है रूप साकारा ,
इसी रूप का ध्यान लगाऊं -आरती लाल मैया....
लाल भवन की लाल भवानी ,संतों भगतों की महारानी ,
जग जननी बलिहारी जाऊं -आरती लाल मैया....
सिद्ध पीठ तेरा लाल द्वारा ,सब जग से लगता है न्यारा ,
सब देवन के दर्शन पाऊं -आरती लाल मैया....
आरती वंदन दरस तुम्हारा ,करदे जीवन में उजियारा ,
निशिदिन तेरी महिमा गाऊं -आरती लाल मैया....
जो जन प्रेम से आरती गावे ,दास "मधुप" सुख सम्पति पावे ,
चरण कमल नित शीश नवाऊं -आरती लाल मैया....

(लाल पवन 'च' निवास करन वाली माता जी तवाड़ी सदा ही जय)
(जयकारा चिंतपूर्णी माई दा ,बोल साचे दरवार की जय)
(जयकारा मैया लाल भवानी दा ,बोल साचे दरवार की जय)

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33084/title/mata-laal-devi-ji-arti

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |